

them know Hindi well; and how many among the rest are attending Hindi classes; and

(b) whether there is any provision that such officers, must acquire adequate knowledge of Hindi before they are appointed in the Indian Missions abroad?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) २० इनमें से १७ अधिकारी अच्छी तरह हिन्दी जानते हैं और दो को काम चलाऊ हिन्दी आती है। बाकी एक अधिकारी ने, जो हाल में ही नियुक्त हुए हैं, हिन्दी सीखना शुरू है।

— (ख) जी नहीं।

[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) 20. Of these 17 know Hindi well and two have a working knowledge; the remaining one officer who has recently joined has started learning Hindi.

(b) No.]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में हिन्दी पुस्तकों का खरीदा जाना

७८. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वैदेशिक कार्य मंत्रालय में गत छः मास में कितनी पुस्तकें खरीदी गईं और उनमें से कितनी हिन्दी की थीं ;

(ख) इसी अवधि में मंत्रालय के पुस्तकालय में कितने और हिन्दी समाचार-पत्र तथा हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ मंगाई गईं ; और

(ग) क्या मंत्रालय से संबंधित विषयों पर प्रकाशित होने वाली हिन्दी पुस्तकों की जानकारी रखने और पुस्तकालय के लिये उनके चुनाव कराते रखने के लिये कोई नियमित

व्यवस्था की गई है या करने का विचार है ?

t [PURCHASE OF HINDI BOOKS BY THE E.A. MINISTRY

78. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) the number of books purchased by the Ministry of External Affairs during the last six months and how-many of them were in Hindi;

(b) the number of additional Hindi newspapers, Hindi papers and periodicals subscribed for the library of the Ministry during the same period; and

(c) whether any regular arrangements have been made or are proposed to be made for keeping information of Hindi books published on the subjects relating to the Ministry and for selecting them for the library?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) (क) इस मंत्रालय ने ३१ मार्च, १९६१ तक समाप्त होने वाली पिछली छमाही में कुल जितनी पुस्तकें खरीदीं, वे इस प्रकार हैं :

	कुल	हिन्दी में	अंग्रेजी में
(१) मुख्य कार्यालय के पुस्तकालय	६२१	८	६१३
(२) विदेश स्थित भारतीय मिशन के पुस्तकालय	३२३	१४३	१८०
(३) भेंट करने के लिये	४१८	३६	३८२

t[] English translation.

(ख) विदेश मंत्रालय के पुस्तकालयों के लिये हिन्दी की कोई पत्र-पत्रिकाएँ और समाचार पत्र नहीं मंगाये जा रहे हैं।

(ग) इस मंत्रालय में पुस्तकें खरीदने के लिये जो व्यक्ति जिम्मेदार हैं वे हिन्दी और अन्य भाषाओं के प्रकाशनों की जानकारी रखते हैं और जो पुस्तकें उचित समझी जाती हैं, वे खरीद ली जाती हैं।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) Total number of books purchased by the Ministry during the last six months ending with 31 March, 1961 is as below:

	Total number	In Hindi	In English
1. Libraries at Headquarters	621	8	613
2. Libraries attached to Indian Missions abroad	323	143	180
For presentation	418	39	379

(b) No Hindi periodicals and newspapers are being subscribed to in the Libraries of the Ministry of External Affairs.

(c) Those responsible for the purchase of books in the Ministry keep themselves informed of publications in Hindi as in other languages and the ones found suitable are purchased.]

संधियों/करारों के प्रलेखों का हिन्दी में तैयार किया जाना

७६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या बाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय ने १९५६ तथा १९६० में अन्य देशों के साथ कितनी संधियां अथवा करार किये ;

(ख) इन संधियों अथवा करारों से संबंधित कितने प्रलेख हिन्दी में भी तैयार किये गये ; और

(ग) क्या भविष्य में सभी संधियों तथा करारों को हिन्दी में भी तैयार करने की कोई निश्चित व्यवस्था की गई है अथवा तैयार करने का विचार है ?

t[PREPARATION OF DOCUMENT[^] OF TREATIES/AGREEMENTS IN HINDI

79. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of treaties or agreements made with other countries by his Ministry during the years 1959 and 1960;

(b) the number of documents regarding these treaties or agreements which were prepared in Hindi also; and

(c) whether any specific arrangements have been made or are proposed to be made for preparing all the treaties and agreements in Hindi also in future?]

उद्योग मंत्री श्री (मनुभाई शाह) :

(क) इस जानकारी को इकट्ठा करना संभव नहीं है। फिर भी यदि माननीय सदस्य